भारत में फ़िर से भगत सिंह

जब फुलों के गुलदस्तों में,
अंगारे जय बोल रहे हों।।
मानवता के हत्यारे जब,
गरल द्वेष का घोल रहे हों।।
सत्ता के आसन पर बैठे,
काले विषधर डोल रहे हों।।
जनता की आहों को केवल,
कुर्सी से ही तोल रहे हों।।
तब आज़ादी की परिभाषा,
भी लगती यहां अधूरी है।।
भारत में फ़िर से भगतसिंह,
का आना बहुत जरूरी है।। 1।।

जब लोकतंत्र की आंखों से,
खारे धारे बरस रहे हों।।
मज़दूरों के बच्चे दिन भर,
दो रोटी को तरस रहे हों।।
वह अनाज का शिल्पी देखो,
रोते-रोते मर जाता है।।
आने वाली पीढी पर भी,
अपना कर्जा धर जाता है।।
उस बेचारे के हिस्से में,
केवल बंधुआ मज़दूरी है।। 2।।
भारत में फ़िर से भगतसिंह,
का आना बहुत जरूरी है।।

आज तराजू पर वोटों के,
जब हर तबका आरक्षित है।।
सच कहता हूं बोलो भाई,
बस्ती में कौन सुरक्षित है।।
दिल्ली की खूनी सड़कों पर,
दुर्योधन का आतंक फले।।
किस मननमोहन के बलबूते,
आज द्रोपदी निशंक चले।।
घर से बाहर इज़्ज़त उसकी,
अब लगी दाव में पूरी है।। 3।।
भारत में फ़िर से भगतसिंह,
का आना बहुत जरूरी है।।

भारत मां की नीलामी हित,
देखो सारे सोच रहे हैं।।
इस सोने की चिड़ियां के ऊपर,
बारी-बारी नोच रहे हैं।।
मक्कारी की सारी सीमा,
ये अपघाती लांघ चुके हैं।।
घोटलों के कवच देखिये,
सब सिरहाने बांध चुके हैं।।
ऐसे जयचंद मिले हमको,
मुख में राम बगल में दूरी है।। 4।।
भारत में फ़िर से भगतसिंह,
का आना बहुत जरूरी है।।

उन अमर शहीदों के सारे,
सपने चकना चूर हुये हैं।।
आज़ादी के रखवाले ये,
जब से कुछ लंगूर हुये हैं।।
सब बलिदानी सोच रहे हैं,
ये हुई सियासत गंदी है।।
झंडा फ़हराने की अब तक,
लाल चौंक में पाबंदी है।।
बिलख रही है भारत मां पर,
इनकी तो सेज सिंदूरी है।। 5।।
भारत में फ़िर से भगतसिंह,
का आना बहुत जरूरी है।।

सीना ताने खड़ा कुहासा,
जब सूरज को धमकाता हों।।
जहां कलम का साधक भी,
पैसों पर गीत सुनाता हों।।
भारत की पीड़ा का गायक,
मैं इसकी पीड़ा गाऊंगा।।
इन्कलाब का नारा लेकर,
घर-घर में अलख जगाऊंगा।।
अंगारों की भाषा लिखना,
अब मेरी भी मज़बूरी है।। 6।।
भारत में फ़िर से भगतसिंह,
का आना बहुत जरूरी है।।

-राज बुन्देली

ग़रीब दलित विधवा को बनाते हैं डायन!

भौली गांव की रामकन्या को 20 दिन तक इसलिए घर में कैद कर दिया गया क्योंकि गांव में किसी दबंग की बेटी बीमार हो गई !

गांव में किसी व्यक्ति ने आत्महत्या कर ली तो राजसमंद जिले के थाली का तला गांव की केशी बाई को नंगा करके गधे पर बिठा दिया गया !

पड़ौसी की पत्नी बीमार होने पर भीलवाड़ा के ईंट का मारिया गांव की नानी को पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया गया

गाँव मे किसी की बकरी मर गयी तो उदयपुर की विमला को पेड़ से बाँध पत्थर मार मार कर हत्या कर दी गयी !

भीलवाड़ा मे एक महिला को रेप कर पेट्रोल डालकर इसलिए जिंदा जला दिया गया क्योंकि गाँव मे किसी बच्चे की निमोनिया से मौत हो गयी !

ये कहानियाँ भले हि राजस्थान की हो लेकिन पूरे उत्तरी और मध्य भारत के ये हि हालात है !

राजस्थान में सख्त कानून बनने के बावजूद हर साल दर्जनों महिलाओं को अंधविश्वास भरी ज्यादती डायन प्रथा का शिकार होना पड़ रहा है ! डायन के नाम पर नंगा करके गांव में घूमाने, मुंडन कर देने, गर्म अंगारों में हाथ-पैर जला देने और पीट-पीटकर मार डालने जैसी भयावह यातनाएं दी जाती हैं ! यह कुप्रथा हर साल न जाने कितनी महिलाओं की जिंदगी लील रही है !

दैनिक भास्कर की एक कवर स्टोरी के हिसाब से.....

.इनको डायन का तमगा दिया जाता है भोंपो द्वारा। अब भोपों का डायन चुनने का 'फॉर्मूला' देखिए।

डायन बताई गई 46 में से 42 महिलाएं गरीब दलित परिवार की मिली और चार पिछड़ा वर्ग की विधवायें।

राजस्थान में उन्हीं महिलाओं को डायन बनाया गया है जो दलित और गरीब हैं तथा जिनके पति की मौत हो चुकी है ! भास्कर टीम ने तीन जिलों में डायन प्रताड़ना का शिकार हुई 46 महिलाओं और उनके परिजनों से मुलाकात कर हकीकत जानीं ! इनमें से 42 महिलाएं ऐसी थी जो दलित, गरीब और विधवा थी !

.एक भी ऐसा उदाहरण नहीं मिला जिसमें किसी सवर्ण अथवा अमीर वर्ग की महिला को डायन बताया गया हो !

.भास्कर की पड़ताल में यह भी सामने आया है कि डायन प्रताड़ना के अधिकांश मामलों में संपत्ति और जमीन हड़पने की साजिश होती हैं ! कई जगह पड़ौसियों ने ही अपनी दुश्मनी निकालने के लिए इन पर डायन का तमगा लगा दिया !

जमीन हड़पने की सारी घटनाओ मे इनको डायन घोषित कर मार डालने वाले लोग गाँव के हि सवर्ण जाति के होते है !

बहुत छोटी-छोटी बात के लिए औरत को जिम्मेदार बताकर डायन करार दे दिया गया. जैसे गाय ने दूध देना बंद कर दिया, कुँए में पानी सूख गया, किसी बच्चे की मौत हो गई तो औरत को डायन घोषित कर दिया गया !

फिर इनके साथ जो अमानवीय अत्याचार होता है , उसे सुनकर हि रूह काँप जाये -

यौन अत्याचार, उनके बाल काट देना, मुंडन कर देना और फिर गांव से बहार निकाल देना भी इन पीडितों में से कुछ ऐसी भी थीं जिनके पास तन ढँकने के लिए कपड़े तक नहीं छोड़े गए, कुछ के मुंह में मल-मूत्र तक ठूँसा गया ,

फिर सरेआम बलात्कार और फिर हत्या! पूरे देश मे दलितों की ये हि स्तिथि है , और ये दलित अब भी कुछ समझने को तैयार नहीँ

मुझे गुस्सा अनपढ़ दलितों पर कभी नहीँ आया , लेकिन अपने आप को एलीट तबके का समझ

भारत माता की जय , गौ माता की जय बोलकर हिंदुत्व का झंडा उठाने वाले दलितों को देखते हि थप्पड़ मारने का मन करता है हरामखोरो कब सुधरोगे तुम , उस धर्म की जय कर रहे हो , जिसने तुम्हे इंसान नहीँ बस जानवर समझा है !

साभार : जन ज्वार

एनएच 5 में अवैध निर्माण: इन्हें भी हाई कोर्ट ही तोड़वायेगी

फ़रीदाबाद (म.मो.) यूं तो नगर निगम का हर काम इसके अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिये लूट का कारोबार है, परन्तु भवन निर्माण वैध/अवैध इनके लिये बहुत मोटी लूट का जरिया है। अब तो इसमें जनता के चुने हुए नुमाइंदे भी पूरी तरह से शामिल हो चुके हैं। इस धंधे में जरूरी है कि किसी को भी वैध निर्माण की अनुमति न देकर उसे अवैध निर्माण के लिये प्रेरित एवं मजबूर किया जाए। इसके अन्तर्गत जब भी कोई नगर-निगम में नक्शा पास करवाने अथवा सील यू कराने आता है तो उसे परेशान करके अवैध निर्माण करने का 'सरल' तरीका बताया जाता है।

धंधे का बहुत बढिया उदाहरण दिखा सैनिक कॉलोनी के पार्ट 2 में स्थित 340 गज के प्लॉट नंबर 4094पर बनाई गई चार मंजिला इमारत को अवैध मानते हुए तोड़ दिया। निगम प्रशासन का कहना है कि इस ईमारत का नक्शा अस्वीकृत कर दिया गया था। इसलिये तोड़-फ़ोड़ करते हुए नगर-निगम प्रशासन को कॉलोनी में अवैध निर्माण, सिंगल फ़्लोर की अनुमति लेकर वहां डबल और ट्रिपल फ़्लोर एवं पार्किंग में फ्लैट बनाने वालों के खिलाफ़ कार्रवाई करने की शिकायत की थी। हाई कोर्ट के निर्देश पर नगर-निगम आयुक्त ने एक सर्वे के आधार पर पिछले सप्ताह करीब 78 पाकिंग में बनाए गए फ़्लैटो को सील किया और कई जगह तोड़-फ़ोड़ की। इसके बाद बीते सोमबार को प्लॉट नम्बर 40 94 को जमींदोज कर दिया। इस कार्रवाई में एसडीएम बड़खल, ज्वाइंट कमिश्नर चीफ़ इंजीनीयर एस आई, डी.टी.पी वास्तुकार, ए.सी.पी एनआईटी व मुजेसर, 4 थानों की पुलिस को लेकर मौके पर तैनात थे।

तोड़-फ़ोड़ के समय मकान मालिक सोनू भाटिया ने बताया कि उसने नक्शा पास कराने के लिये आवेदन फीस भरी हुई है। निगम नियमानुसार नक्शे में खामियां पाइ जाने पर बिल्डिंग तोड़ने अथवा जुर्माना लगाकर कम्पाउंड करने का अधिकार निगम के पास होता है। इस अधिकार का उपयोग या दुरूपयोग निगम अधिकारी अपनी सुविधानुसार कर लेते हैं। यही वह मुख्य कारण है कि इसके चलते धराधर अवैध निर्माण होते जा रहे हैं।

निगम के इसी अधिकार के चलते पूरे एनआईटी में अवैध निर्माण कार्य चल रहे हैं। एनएच 5 के वार्ड नम्बर 14 में इस समय दर्जनों अवैध निर्माण धड़ल्ले से चल रहे हैं। एनएच 5 के बिल्डरों ने तो सरकारी जमीनों पर भी फ़्लैट बना-बना कर बेच दिये हैं। एनएच 5 यानी वार्ड नम्बर 14 में पिछले 6 महीने में ही लगभग 200 से ऊपर फ्लैट बिल्डरों द्वारा बना दिये गये हैं। समझा जाता है कि इन बिल्डरों को क्षेत्र की विधायक सीमा त्रिखा का संरक्षण प्राप्त है। वहीं दूसरी ओर इस वार्ड के पार्षद सरकार जसवंत सिंह की हालत तो उस रजिया की तरह बनी हुई है जो गुंडों में फंसी हुई है। विधायक के मुकाबले में बेचारे पार्षद की कोई अफ़सर नहीं सुनता। लगता है यहां भी अवैध निर्माणों के विरुद्ध हाई कोर्ट में ही फ़रीयाद करनी पड़ेगी।

सीमा त्रिखा के दम पर एसीपी, एसएचओ चाचा टंडन के कब्ज़े में

फ़रीदाबाद (म.मो.) जुर्म की नगरी बनता फ़रीदाबाद आये दिन हत्या, बलात्कार,, लूट-पाट व फिरौती की घटनायें होने से य जनता थर-थर कांपने लगी है। जहां एक और पुलिस प्रशासन फेल हो गया है। वहीं दूसरी तरफ़ अपराधियों के हौंसले बुलंद है। ऐसा नहीं कि फ़रीदाबाद में पुलिस नहीं लेकिन पुलिस होते हुए नकारा बनी हुई है। जिस तरह से अपराधी सरेआम वारदातों को अंजाम देकर निकल जाते हैं। क्या कभी शहर के लोगों ने ये सोचा है कि दिन-प्रति दिन ऐसी घटनायें क्यों घट रही है।

विदित है कि इन घटनाओं का मूल कारण फ़रीदाबाद का एनआईटी क्षेत्र जुआ, सट्टा अवैध शराब तस्करी, दाना बुक सूदखोरी का धंधा एक ही व्यक्ति के इशारे पर चल रहे हैं । ये हैं, तनेन्द्र टंडन ऊर्फ़ (काला) कभी कुलदीप बिशनोंई को अपना उस्ताद कहने वाला तो कभी महेन्द्र प्रताप को अपना अका मानने वाला अब बड़खल विधानसभा की विधायीका सीमा त्रिखा को अपनी भतीजी कह कर अपनी दुकानदारी चला रहा है। पाठकों को बता दें कि टंडन 5 नम्बर स्थित अपने शराब के ठेके पर अवैध रूप से शराब की न केवल तस्करी करता है। बल्कि एनएच 5 में होने वाले हर गलत काम की जिम्मेवारी भी उठाता है । ऐसा इसलिये करता है कि टंडन सीमा त्रिखा को अपनी भतीजी बनाकर एसीपी एनआईटी शाकिर हुसैन व थाना एनआईटी प्रभारी मित्रपाल को जेब में रखता है।

एसीपी एनआईटी व थाना एनआईटी टंडन के इशारों पर चलता है। इसके चलते टंडन अपने सारे अनैतिक कार्य थाना एनआईटी क्षेत्र में ही करता है। टंडन चाहे तो किसी भी बेकसूर को हवालात में पहुंचा सकता है। चाहे तो बड़े से बड़े क्रिमनल को थाने से एक फ़ोन पर बाहर करवा सकता है। मार्च 2017 से टंडन ने एनआईटी क्षेत्र में इतनी दहशत मचा रखी है कि कोई भी धंधेबाज टंडन के नाम से कांपता है। पाठकों को बता दें कि टंडन को गैर कानूनी कामों को करने वाला एक राइट हैंड भी 5 नम्बर में रहता है। वह टंडन के इशारों पर विवादित जमीने व मकान खरीदने का कार्य करता है। उन लोगों को टंडन थाना एनआइटी में बुलाकर बुरी तरह धमका कर मकान दुकान अपने गुर्गों के नाम करवाता है। ऐसे ही कितनी प्रोपर्टियां टंडन ने अपने व अपने गुर्गों के नाम करवा रखे हैं। वक्त रहते पुलिस प्रशासन व बड़खल विधानसभा की विधायीका सीमा त्रिखा ने टंडन रूपी कीडे को अगर बडखल विधानसभा से न निकाला तो जल्द ही ये कीडा सीमा त्रिखा व एनआईटी के पुलिस अफ़सरों को मुसीबत में डाल देगा। टंडन की इन कारगुजारियों से तंग आकर कई पीड़ितों ने सीएमवींडो पर शिकायत देने का मन बना लिया है।

एनआईटी में सूदखोरों का आतंक

फ़रीदाबाद (म.मो.) इन दिनों शहर में ब्याजखोरों का मकड़जाल बढ़ता ही जा रहा है। ब्याजखोरों के चंगुल में फ़से कई कर्ज़दार तो अपने परिवारों व शहर को छोड़ कर भाग गए। कइयों ने आत्महत्या तक कर ली। रोजाना पुलिस कमिश्नर कार्यालय व पुलिस के उच्च अधिकारियों के सामने कर्जदार व उनके परिवार वाले इन ब्याजखोरों की शिकायत देते हैं। बावजूद इसके पुलिस अधिकारी इन ब्याजखोरों पर लगाम लगाने में विफल नजर आ रहे हैं। ये ब्याजखोर मोटे ब्याजदर पर धड़ल्ले से बाजारों में पैसा देते है। इनके पास न तो फ़ाईनेंस कम्पनी चलाने का लाइसेंस है। न ही ये अपने कर्जदार को सीमित ब्याज दर पर रुपये देते हैं। बावजूद इसके पुलिस इनके सामने बेबस नज़र आती है। ब्याजखोर अपने कर्जदार को रुपये देते समय खाली कागजात खाली चैक साईन करवा कर ऐसे बांध देते हैं कि कर्जदार को मजबूरी में भी इनके 10-10 प्रतिशत के ब्याज जुर्माने भर अपनी जान छुड़वानी पड़ती है। ऐसे ही करीब 1 दर्जन से अधिक ब्याजखोर एनएच 5 में अपनी दुकाने खोले बैठे हैं।

इस कड़ी में एन एच 5 एच 91 निवासी चरणदीप लखानी भी एनआईटी डीसीपी के सामने अपनी बुजुर्ग माताजी के साथ दिनांक 25/9/17/ को पेश हुआ जिसका डायरी नम्बर 897 है। इस शिकायत पत्र में चरणदीप ने 5 एम/24 स्थित विपिन महेश्वरी, जाकिर 5 नम्बर निवासी सिम्मी बंटी भाटिया व एक क्रिकेट मैच बुकी मंजित सिंह की जानकारी दी जिसमें चरणदीप ने साफ़-साफ़ लिखा है कि इन सबने उससे खाली कागजात व खाली चैक पर साईन करवा कर रख लिये व 3 नम्बर निवासी मंजीत सिंह ने क्रिकेट मैच में जुआ खिलवाकर 13 लाख रुपये बना दिये। इसके साथ ही विपिन महेश्वरी ने, एक लाख रुपये सिम्मी ने, 2 लाख रुपये जाकिर ने , 1 लाख रुपये बंटी काटिया से 120000 रुपये 5 प्रतिशत ब्याज पर लिए थे अब वो कई गुना बना दिये हैं।

अब वह इस स्थिति में नहीं हैं कि इनके मोटे ब्याज भरे लेकिन ये रोज़ाना ही अपने ब्याज को लेकर डराते-धमकाते हैं घर आकर गाली-गलौच व मार-पीट जान से मारने की धमकी भी देते हैं। कहते हैं कि हमारा ब्याज दे अन्यथा शहर छोड़कर भाग जा व आत्महत्या करने पर मजबूर करते हैं।